गौमाता के मायरे के साथ चतुर्मास कार्यक्रम सम्पन्न

झुंझुनूं, 15 सितम्बर। मोदी रोड के पास चल रहे दो माह के चतुर्मास कार्यक्रम का समापन रविवार को गौ माता के मायरे के साथ आयोजक ओमप्रकाश टीबड़ेवाला परिवार द्वारा किया गया। इस अवसर पर वृंदावन के कथावाचक श्रीहरिशरणजी महाराज द्वारा नि:स्वार्थ भाव से बिना कुछ दान दक्षिणा के प्रवचन कर हजारों पुरुष व महिलाओं को ज्ञान की गंगा में डुबोए रखा। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम का आनन्द उठाया। इस भव्य समारोह का समापन किया गया। जिसमें गौशाला अध्यक्ष ताराचन्द गुप्ता व सचिव सुभाषचन्द क्यामसरिया ने आयोजकों को तथा कथा वाचक प्रियाशरण महाराज को गौ माता का प्रतिक चिन्ह देकर

फोटो : रामनिवास सोनी

स्वागत किया। इसके बाद शहर में पहली बार गौ माता का मायरा भरकर शहर की गोपाल गौशाला में दान किया गया। इस अवसर पर कृष्ण व राधा के रुप में सजे बच्चों ने तथा कार्यक्रम आयोजकों ने सजी हुई गौ माता पर वस्त्र चढ़ाएं और गाजे बाजे के साथ शहर के मुख्य बाजार गांधी चौक से होते हुए शोभा यात्रा निकाली जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस शोभा यात्रा में केसरदेव हलवाई, सत्यनारायण हलवाई, कैलाशचन्द टीबड़ा, शशिकांत पंसारी, अर्जुनलाल केडिया एडवोकेट, अरूण ढंढारिया, सुरेन्द्र अग्रवाल, एडवोकेट ओमप्रकाश केजडीवाल, सुभाष जालान, रुपेश तुलस्यान, सूमित क्यामसरिया कैलाशचंद सिंघानिया सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

चतुर्मास कार्यक्रम में मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

माई झुं. 28 अगस्त। मोदी रोड स्थित ओमप्रकाश बड़ागाँववाला के निवास पर चल रहे चातुर्मास कार्यक्रम में हरिशरण जी महाराज के सानिध्य में कृष्ण जन्मोत्सव धुमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कृष्ण लीलाओं की सजीव जीवन्त झाँकिया सजाई गई तथा दीपोत्सव कार्यक्रम हुआ। पूरे पाण्डाल को गुब्बारों एवं पुष्पसज्जा से सजाया गया। जैसे ही कृष्ण का जन्मोत्सव हुआ पूरा पांडाल नन्द के आनन्द भयो जय कन्हैयालाल की हाथी घोड़ा पाल की जय कन्हैयालाल की आदि से गुंज उठा। सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

बहिन सुमन २८ को झुंझुनूं में

झुंझुनूं, २३ सित.। पंतजलि योग समिति की महिला राष्ट्रीय प्रभारी आचार्य बहिन सुमन २८ सितम्बर को झुंझुनूं आएंगी। समिति के जिला महासचिव पवन कुमार ने बताया कि बहिन सुमन ग्रेडवेज बस स्टेंड के पास स्थित तुलस्यान गेस्ट हाऊस में झुंझुनूं, सीकर व चूरू के योग साधकों की बैठक लेगी। उनके साथ इस दौरान राजस्थान महिला अध्यक्ष विजय लक्ष्मी, डॉ. बलवंत शास्त्री, रामलाल सिहांग आदि रहेंगे।

लायंस क्लब नवलगढ़ की ओर से नेत्र चिकित्सा शिविर

माई झुं.न्यूज। लायंस क्लब नवलगढ़ की ओर से लगाए गए नेत्र चिकित्सा शिविर का रविवार को समापन हुआ। समापन के अध्यक्ष चिकित्सा राज्यमंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा थे। मुख्य अतिथि राजस्थान वरिष्ठ नागरिक बोर्ड के चेयरमैन वीरेंद्र पूनिया थे। बनवारीलाल जालान, क्लब अध्यक्ष डॉ. दयाशंकर जांगिड़, मोहनलाल सैनी व सत्यनारायण जालान विशिष्ट अतिथि थे। इस मौके पर आरजेएस में चयन होने पर कमल सोनी, समाजसेवा के लिए सहयोग देने पर बनवारीलाल जालान व स्वतंत्रता सेनानी रामेश्वर चौधरी का सम्मान किया गया। क्लब सचिव ओमप्रकाश चोबदार ने आगंतुकों का स्वागत किया। संचालन डॉ. राजेश यादव ने किया।

सैनी प्रतिभा सम्मान समारोह अब ६ को

झुंझुनूं, 23 सित.। सैनी समाज कल्याण संस्थान का २९ सितंबर को समाज की प्रतिभा सम्मान समारोह था। जिसे अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर ६ अक्टूबर को कर दिया गया है। सम्मान समारोह में राजसिको चैयरमेन सुनील परिहार, एएसपी महेंद्र कुमार सैनी, तहसीलदार सुशील सैनी, राजस्थान उच्च न्यायालय की राजकीय सलाहाकार श्रीमती सानिया सैनी, गुरूप्रज्ञा ग्रुप के एमडी सुभाष सैनी, ज्ञान मंदिर क्लासेज निदेशक संतोष सैनी भाग लेंगे।

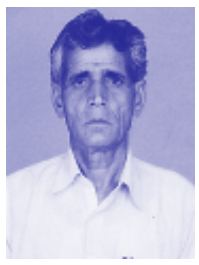

अक्टूबर माह के व्रतोत्सव-2013

पंडित महावीर प्रसाद पारीक,
शास्त्री एम ए, संस्कृत
बीदासर- बिसाऊ
मोबाईल- 9460513758

माई झुं.न्यूज। आश्विनी मास की द्वादशी मंगलवार के साथ ही अक्टूबर माह प्रारम्भ हो रहा है। चूंकि इन दिनों श्राद्ध पक्ष चल रहे है अत: कोई मांगलिक कार्यों के लिये मुहूर्त नहीं बन रहे हैं। 4 अक्टूबर शुक्रवार को महालय अमास्या सर्व पितृ श्राद्ध अज्ञात मृत्युतिथि। चतुर्थशी। अमावस एवं पूर्णिमा मृत्युतिथि वालों का श्राद्ध महालय श्राद्ध पक्ष समाप्त होगा। गजच्छाया योग (15 घण्टा 51 मिनट से सूर्यास्त तक) यह श्राद्ध के लिये सर्वोत्तम अवसर मान्य है। श्राद्ध पक्ष पितृ पूजन का है। 2 अक्टूबर को रूई, शेयर चाँदी, अफीम में तेजी दालवाना एवं अनाजों में तेजी रहेगी। 5 अक्टूबर को आश्विन शुक्ला प्रतिपदा शनिवार को नाना-नानी का श्राद्ध, शारदीय नवरात्र प्रारम्भ महाराज श्री अग्रसेन जयंती। देवी पुराण में नवरात्रा के दिन देवी का आह्वान, स्थापना व पूजन का समय प्रात: काल लिखा है किन्तु इस दिन चित्रा नक्षत्र एवं वैधृति योग को वर्जित बताया है। इस वर्ष आश्विन शुक्ल प्रतिपदा को चित्रा नक्षत्र का सम्पक्र दोपहर 3/48 बजे से एवं वैधृति योग का सम्पर्क रात 12/08 से हो रहा है, अत: प्रात: काल में ही देवी का आह्वान कर घट स्थापना कर लेनी चाहिये। आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तिथि तक नवरात्र व्रत होता है। नवरात्र मुख्य रूप से दो होते हैं- वासन्तिक एवं शारदीय। वपसन्तिक में विष्णु की उपासना का प्राधानरू रहता है और शारदीय में शक्ति की उपासना का। वस्तुत: दोनों नवरात्र मुख्य एवं व्यापक हैं और दोनों में दोनों की उपासना उचित है। पूजन वेद विधि या सम्प्रदाय और दोनों में दोनों की उपासना उचित है। पूजन वेद विधि या सम्प्रदाय निर्दिष्ट विधि से होना चाहिये। दुर्गा देवी की आराधना अनुष्ठान में महाकाली महालक्ष्मी और महासरस्वती का पूजन एवं मार्कण्डेय पुराणान्तर्गत निहित श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ मुख्य अनुष्ठेय कर्तव्य है। 7 नवम्बर को शनि स्वाति के चतुर्थचरण में प्रविष्ट होगा जो कुछ सुखद परिवर्तन लाएगा। 9 अक्टूबर को उपांगललिता व्रत तथा 10 अक्टूबर को सरस्वती आहवान एवं 11 अक्टूबर को सरस्वती पूजन होगा 12 अक्टूबर को दुर्गाष्टमी महाष्टमी एवं महानवमी पूजा एवं उपवास के लिये। 13 अक्टूबर महानवमी (बलिदान के लिये) नवरात्र समाप्त सरस्वती विसर्जन एवं विजय दशमी आयुध पूजन अपराजिता पूजन सीमोल्लघंन। 14 अक्टूबर को भरत मिलाप पंचकारम्भ शाम 16/24 से जो 18 अक्टूबर को रात्रि में अर्द्धरात्रि में 19 अक्टूबर को 26/01 को समाप्त होंगे।

15 अक्टूबर को पापांकुशा एकादशी व्रत सबका है। 16 अक्टूबर को प्रदोष व्रत एवं 17 अक्टूबर को सूर्य तुला राशि में प्रविष्ट होंगे जो सूर्य देव की नीच राशि है इसके प्रभाव से समय में कुछ गड़बड़ी की आशंका। 18 अक्टूबर शरत पूर्णिग्मा कोजागर व्रत कार्ति स्नान प्रारम्भ होगा। कोजागर व्रत का उद्देश्य है दीवाली पूजन तक जागृत रहना व्यापरादि में प्रमाद नहीं करना। दीवाली पर यह उद्बोष होता है। कोजागर्ति अर्थात् कौन जागता है? जो जागता है लक्ष्मी को प्राप्त करता है। अत: यह व्रत पूरे कार्तिक माह तक चलता है। 19 अक्टूबर को शनिवार से कार्तिक कृष्ण पक्ष का प्रतिपदा है आश्विनी नक्षत्र मूल गंडात है इसमें जन्मे जातक के लिये मूल शांति कराना आवश्यक है। 22 अक्टूबर को करक चतुर्थी गणेश चतुर्थीव्रत महिलाओं के सौभाग्य का व्रत है। दिल्ली में चन्द्रोदय 20 घण्टे 12 मिनट पर जयपुर में 20/21 पर तथा मुम्बई में 20/48 पर होगा।

23 अक्टूबर को सूर्य के सायन वृश्चिक में आने से शक कार्तिक प्रारम्भ होगा। 26 अक्टूबर को बुध पश्चिम में अस्त होगा तथा 27 अक्टूबर को अहोई अष्टमी (पंजाब हरियाणा) में मनायी जाएगी। 30 अक्टूबर को रमा एकादशी व्रत (सबका) शुक्र मूल धनु राशि में प्रविष्ट होंगे जिससे समय में सुखद होगा। 32 अक्टूबर को गोवत्स द्वादशी है तथा एक नवम्बर को धनत्रयोदयी धनतेरस हनुमान जयंती (उत्तर भारत में) का उत्सव है तथा 2 नवम्बर को नरक चतुर्दशी (पूर्वारूणोदयवाली) एवं 3 नवम्बर को दीपावली लक्ष्मी पूजन का पर्व है। पूजन समय सायं 5/23 से 8/20 तक एवं सिंह लग्न मध्यरात्रि 12/53 से मध्यरात्रि बाद 3/09 रहेगा वैसे दीवाली पूजन रात्रि पर्यन्त प्रशस्त है। शुभम्।

श्री चावो दादी में वार्षिक पूजा सम्पन्न

माई झुं.न्यूज। श्री चावो दादी मंदिर में भादवा सुदी छठ बुधवार को वार्षिक पूजा विधि विधान के साथ सम्पन्न हुई। मंदिर परिसर को रंग बिरंगी रोशनी एवं फूलों की सजावट से सजाया गया। प्रात: मंगला आरती के पश्चात भक्तों ने चावो दादी की पूजा कर मनौती मांगी। इस अवसर पर मंदिर के सभापति मुम्बई प्रवासी काशीनाथ खेतान, श्यामसुंदर खेतान, खेतान फैन्स के चेयरमैन सुनील खेतान, सीकर निवासी श्यामसुंदर खेतान सहित स्थानीय जन में उमेश खेतान, हरिशंकर खेतान व प्रमोद खेतान सहित मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

श्री चावो दादी ट्रस्ट के खेतान अध्यक्ष पुन: बने

माई झुंझुनू न्यूज। श्री चावो दादी मंदिर की वार्षिक पूजा के अवसर पर आयोजित श्री चावो दादी मंदिर ट्रस्ट मण्डल झुंझनूं की साधारण सभा में मुम्बई प्रवासी काशीनाथ खेतान को पुन: निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया।

मंदिर ट्रस्ट के चार नये सदस्यो का निर्विरोध निर्वाचन

माई झुंझुनू न्यूज। श्री चावो दादी मंदिर ट्रस्ट मण्डल झुंझनूं के चार रिक्त सदस्यो के लिये चुनाव एडवोकेट दिनेशचन्द्र अग्रवाल चुनाव अधिकारी की देखरेख में सम्पन्न हुए। चार निर्वाचित कोलकात्ता के कमल कुमार खेतान, चन्द्रप्रकाश खेतान एंव सतीशचन्द्र खेतान तथा मुम्बई के श्यामसुन्दर खेतान सदस्यो को उवस्थित सभी सदस्यो ने बधाई देते हुए प्रसन्नता जाहिर की।

श्रीगोपाल गौशाला झुंझुनूं विकास की ओर बढ़ते कदम

माई झुं. न्यूज.। शहर की सबसे पुरानी गौसेवा को समर्पित श्री गोपाल गौशाला झुंझुनूं निरन्तर प्रगति की ओर अग्रसर है विकास के नये आयाम स्थापित कर रही है विगत कुछ समय में नई कार्यकारिणी के तथा शहर के गणमान्यजनों के मार्गदर्शन में दानदाताओं के सहयोग से काफी कार्य हुआ है।

गाय रसोई : 21 अगस्त से 20 सितम्बर तक प्राप्त गाय रसोई के दानदाताओं का विवरण इस प्रकार है- श्रीमती भगवानी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री किशनलाल जी गाडिया झुंझुनूं, श्रीमती मैना देवी धर्मपत्नी रामलाल जी तुलस्यान हेदराबाद, स्व. बदामी देवी धर्मपत्नी स्व. बनारसीलाल जी बड़ागांव वालों की पुण्य स्मृति में उनके परिवार जन द्वारा स्व. अशोक कुमार सुपुत्र श्री श्यामसुंदर जी टीबड़ा जयपुर के द्वादशा पर उनके परिवारजन द्वारा श्रीमती विमला देवी धर्मपत्नी मुरारीलाल जी खेतान इस्लामपुर निवासी हैदराबाद, श्रीमती शान्तिदेवी धर्मपत्नी बाबूलाल जी ढेडिया आदिलाबाद, स्व. विमल कुमार जी खण्डेलिया झुंझुनूं के द्वादशा पर उनके परिवाजन द्वारा चि. गौरव कुमार के जन्म दिवस के उपलक्ष पर श्री गणेशजी हलवाई चिड़ावावाला द्वारा स्व. गोरीशंकर गीतादेवी सिंघानिया की पुण्य स्मृति में उनके परिवाजन द्वारा स्व. रूकमणी देवी धर्मपत्नी स्व. नथमल जी बेसवाल के द्वादशा पर उनके परिवारजन द्वारा एवं ओमप्रकाश प्रदीप कुमार उदयपुरिया द्वारा गाय रसोई दी गई।

गौशाला प्रबंध समिति के अध्यक्ष ताराचन्द गुप्ता, मंत्री सुभाष क्यामसरिया व कोषाध्यक्ष नरोत्तम राणासरिया ने बताया कि उनका प्रयास है कि प्रत्येक परिवार प्रत्येक व्यक्ति गौ सेवा से जुड़ा रहे है इस हेतु गौशाला ने गौ सेवा हेतु **कुछ दान राशि निश्चित** की है जो इस प्रकार है- एकवर्ष के लिए गाय गोद 7 हजार, आजीवन गाय गोद 1 लाख, एक दिवस का गौशाला का खर्चा 21 हजार, गाय रसोई छानी सहित 15 हजार, गाय रसोई 11 हजार, हराचारा एक दिन का 7 हजार, छानी एक दिन की 5 हजार, गुड कट्टा एक का एक हजार एक सौ रुपये, जौ एक क्विंटल एक हजार एक सौ रुपये तथा खल एक क्विंटल का एक हजार छह सौ रुपये है। इच्छुक दानदाता गौभक्त इच्छित राशि गौशाला को दान कर सकता है।

दानदाता दानराशि बैंक ऑफ बड़ौदा गांधी चौक झुंझुनूं शाखा में खाता नंबर 01280100000945 में जमा करवा सकता है। गौशाला को दिया गया दान आयकर कानून की धारा 80 जी के अन्तर्गत कर मुक्त है।

गौशाला की ओर से यज्ञ शाला का शुभारम्भ कर दिया गया है। जिसमें प्रत्येक पूर्णिमा एवं अमावस्या को होने वाले यज्ञ के लिए अग्रिम स्थान आरक्षण की सुविधा है। साथ ही गौशाला में तुलादान की भी सुविधा भी उपलब्ध है। इस हेतु अधिक जानकारी के लिए गौशाला प्रबंधन से सम्पर्क किया जा सकता है।

गौशाला के बारे में अधिक जानकारी हेतु वेबसाईट लॉगइन करे।

www.shrigopalgaushala.com

गाय खड़ी जिस घर के द्वारे।
समझो उस घर श्री कृष्ण पधारे।।

गौपाष्टमी 10 नवम्बर को : श्री गोपाल गौशाला द्वारा आगामी 10 नवम्बर रविवार को गोपाल गौशाला परिसर में गौपाष्टमी का आयोजन हर वर्ष की भांति धूमधाम के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर गौ माता के विभिन्न प्रकार के आयोजन किये जायेंगे। गौपाष्टमी को उत्साह के साथ मनाने हेतु प्रबंध समिति कार्यकारिणी के सदस्य प्रयासरत है।

चावो दादी विद्या कुंज में वार्षिक उत्सव मनाया

माई झुं.न्यूज। स्थानीय श्री चावो दादी विद्या कुंज मा. विद्यालय रानी सती रोड, झुन्झुनू ने वार्षिक उत्सव चावोरिद्म 2013 नंदनी गौषाला परिसर में हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुलझारी लाल शर्मा, सचिव सेठ मोतीलाल कॉलेज, एवं अति विशिष्ट अतिथि महामण्डलेश्वर श्री अर्जुनदास जी महाराज थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्जवलन से की गई। बच्चों द्वारा रोचक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई। वार्षिक प्रतिवेदन प्रधानाध्यापिका श्रीमती चेतना शर्मा ने पढ़ा।

छोटे छोटे बच्चों द्वारा मैया यसोदा, उडे जब जब जुल्फे तेरी, रघुपति राघव राजा राम, इती सी हंसी गानों पर रोमांचक प्रस्तुति दी गई। माध्यमिक ग्रुप के बच्चों द्वारा रोचक स्टंट हनुमान चालीसा, कन्टेपेरेरी, कालबेलिया नृत्य,

क्लासिकल नृत्य, सालसा पर प्रस्तुति दी गई जिसे उपस्थित लोगो ने सराहा। पिछले सत्र में ग्रुप में प्रथम एवं द्वितीय रहने वाले विद्यार्थियों को मुख्यअतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रथम दसवीं में उर्तीण सभी बच्चों को भी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रबन्ध समिति अध्यक्ष श्री काशीनाथ खेतान ने उद्बोधन स्वरुप आर्शीवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीकांत सारस्वत, शारदा यादव, निशा शर्मा द्वारा किया गया। सचिव उमेश खेतान द्वारा धन्वयाद ज्ञापित किया गया।

श्री अग्रसेन जयंती

माई झुं.न्यूज। श्री अग्रसेन जी एक महान समाज सुधारक और राजा थे। उनका कहना था कि श्री लक्ष्मी शुभ कार्य से उत्पन्न होती है, चतुराई से बढ़ती है, निपूर्णता और कौशला से जड़ बंधती है तथा संयम से स्थिर रहती है। सामर्थ्य बढने के साथ मनुष्य के दायित्व बढते हैं। ज्ञानी पुरुष बढती सामर्थ्य का उपयोग पीड़ितों के कष्ट हरने एवं भटकी मानवता को दिशा दिखाने में कर्म करते हैं। इस प्रकार सामथर्य का गरिमापूर्ण एवं न्याय संगत निर्वाह ही श्रेष्ठ मार्ग है। उनके शासन काल में प्रत्येक व्यक्ति का सम्पूर्ण जीवन कार्यप्रणाली, सिद्धांत, सहबंधुत्व, शाकाहार, पशु प्रेम व अहिंसा आदि सदॅगुणों से परिपूर्ण था। उन्होंने प्रतिष्ठित ऋषियों से 18 यज्ञ सिद्ध कराकर परोपकारी सिद्धियों को प्राप्त किया था, उन 18 ऋषियों के नाम से आज भी अग्रवाल समाज में १८ गोत्र और एक ईंट देने की परंपरा चलाई थी ताकि वह अपने रहने के लिए घर बनाकर अपना व्यापार शुरू कर सके। सभी लोगों में स्नेह, सद्भाव, समता, सम्मान, संगठन और पुनर्वास का एक अनुठा उदाहरण पेश किया था। उनकी प्रेरणा पाकर अग्रवालसमाज शिक्षित होकर जागरूक व समर्पित है। चिकित्सक, सीए, इंजीनियर, वैज्ञानिक व समाज सेवी प्रगति के कार्यों में अपना भरपूर योगदान दे रहे हैं। उनके कथनासुार उत्पादन का कुछ भाग पूंजी रूप में परिवर्तन करना, परिश्रम व उद्योग में अर्थोपार्जन और उसका यथार्थ रूप में उपयोग करना पालन करने में जागरूक है। उनकी ५१३७वीं जयंति पर हम सभी की हार्दिक बधाई। सभी देशों में अग्रवाल समाज अग्रसेन जयंति मनाने में अग्रसर है।

नन्दलाल तुलस्यान मुम्बई प्रवासी